

Roll No.

[2]

E-1217

E-1217

LL. B. (Part III) (First Semester) (ATKT)

EXAMINATION, May-June, 2021

Paper Third

INTERPRETATION OF STATUTES

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt all the *five* questions. All questions carry equal marks.

1. कानूनों के निर्वचन से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से समझाइए।

What do you mean by the Interpretation of Statutes ? Explain in detail.

2. निर्वचन के सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन के सिद्धान्त की व्याख्या निर्णीत वादों की सहायता से कीजिए।

Discuss the principle of Harmonious construction with the help of decided cases.

P. T. O.

3. निर्वचन के 'स्वर्णिम नियम' का वर्णन कीजिए।

Describe 'Golden rule' of Interpretation.

4. संविधियों के निर्वचन में 'बाह्य सहायकों' की क्या भूमिका है ? विवेचना कीजिए।

What is the role of 'External Aids' in the interpretation of statutes ? Discuss.

5. तत्कालीन व्याख्या सर्वोत्तम तथा प्रभावी होती है। सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

Discuss the doctrine of contemporanea expositio est fortissima in lege.

6. कब अधिनियम का हितकारी अर्थ निर्वचन के अन्तर्गत ग्राह्य है ? विवेचना कीजिए।

When beneficial construction of statutes is permissible under the rules of interpretation ? Discuss.

7. 'कर कानूनों के कठोर अर्थान्वयन' से आप क्या समझते हैं ? निर्णीत वादों की सहायता से समझाइए।

What do you mean by 'Strict construction of taxing statutes' ? Explain with the help of decided cases.

8. संविधियों के भूतलक्षी प्रवर्तन को विस्तार से समझाइए।

Explain in detail the retrospective operation of the statutes.

[3]

9. 'छद्म विधायन' के सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं ? समझाइए।

What do you understand by doctrine of colourable legislation ? Explain.

10. उपधारणा से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से समझाइए।

What do you understand by presumption ? Explain in detail.